पत्र सूचना शाखा

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने तेल एवं गैस संरक्षण पखवाड़ा 2015 का उद्घाटन किया

लखनऊः 16 जनवरी, 2015

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल, श्री राम नाईक ने आज इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में पेट्रोलियम संरक्षण अनुसंधान एसोसिएशन, पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के तत्वाधान में आयोजित तेल एंव गैस संरक्षण पखवाड़ा 2015 का उद्घाटन किया। इस अवसर पर 400 से अधिक स्कूली बच्चें, आईओसीएल, बीपीसीएल, एचपीसीएल और गेल (इण्डिया) लिमिटेड से तेल एवं गैस कंपनी के अधिकारीगण, उनके डीलर्स और वितरकगण उपस्थित थे।

राज्यपाल ने इस अवसर पर कहा कि जमीन से निकलने वाले कच्चे तेल, कोयला, गैस आदि के संसाधन सीमित होते हैं और उपयोग में लाने के बाद समाप्त हो जाते हैं। ऐसे सीमित प्राकृतिक संसाधनों का प्रयोग संयम से करने की जरूरत है। अपव्यय रोकने के लिए तेल व पेट्रोलियम बचत के प्रति जनता में जागरूकता लाने के लिये उचित प्रचार-प्रसार आवश्यक है। छोटी-छोटी बातों पर ध्यान देकर देश के करोड़ों रूपये बचाये जा सकते हैं, जिससे देश को लाभ होगा। उन्होंने कहा कि उत्पादन कम हो और खपत ज्यादा हो तो विदेश से तेल आयात करना पड़ता है।

श्री नाईक ने कहा पेट्रोलियम व उसके अन्य उत्पाद उद्योग-धंधों को गति देने के लिये जरूरी है। पेट्रोलियम उत्पाद का महत्व हर जगह है। ऐसे उत्पादों की मांग लगातार बढ़ रही है। हमें अपने देश की आवश्यकता के अनुसार 83 प्रतिशत तेल आयात करना पड़ता है। वहीं पेट्रोल के इस्तेमाल से पर्यावरण पर भी प्रतिकूल असर पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि कच्चे तेल के आयात में देश को बड़ी मात्रा में धन खर्च करना पड़ता है।

राज्यपाल ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि वे देश के अकेले पेट्रोलियम मंत्री थे जिसने पूरे पांच वर्ष तक मंत्रालय का काम देखा। उनके कार्यकाल में 70 प्रतिशत तेल आयात होता था जो बाद में आयात प्रतिशत बढ़ गया था। अपने पेट्रोलियम मंत्री के कार्यकाल में उन्होंने पेट्रोल में 5 प्रतिशत इथनाल मिलाने का अभिनव प्रयोग किया था जिससे देश के गन्ना किसानों को भी लाभ हुआ और आयात करने में देश का पैसा भी बचता था। रूस में तेल के कूप भी खरीद कर तेल उत्पादन किया गया था। अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर तेल का दाम कम होने से गत कई महिनों में तेल के दामों में लगातार कमी आई है। सीमित उपयोग एवं तेल की खपत को देखते हुए बचत करने की आवश्कता है। उन्होंने कहा कि उचित नीति से पेट्रोलियम के क्षेत्र में सुधार लाया जा सकता है।

राज्यपाल ने इस अवसर पर छात्र-छात्राओं व उपस्थित लोगों को ईधन बचाने के लिए शपथ दिलाई तथा तेल एवं गैस संरक्षण के प्रति जागरूकता अभियान रैली को झण्डी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने इस अवसर पर कुछ लोगों को जागरूकता लाने के लिए स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित भी किया

तेल एवम् गैस संरक्षण पखवाड़ा 2015
उद्घाटन समारोह
मुख्य अतिथि – श्री राम नाईक
माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश
ईंधन बचाओ
जन-धन बढ़ाओ

ईंधन की
बचत
यानी
पैसे की बचत

गैस संरक्षण परखवाड़ा 2015
उद्घाटन समारोह
ईंधन बचाओ
जन-धन बढ़ाओ
जनवरी 16-31, 2015

2015